वार्षिक पाठ्यक्रम योजना

सत्र - 2020-21

विषय - हिंदी

कक्षा –नवीं

दूरदर्शिता-छात्राएँ लेखन एवं वाचन कला में निपुण होगी। इनकी हिंदी के प्रति रूचि जागृत होगी। छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा। महान कवियों व महापुरुषो के द्वारा दी गई सीख को अपने भावी जीवन में धारण करेंगीं।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
1. दो बैलों की कथा	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उनसे बैलों के बारे में पूछेगी । छात्राओं से उत्तर पाकर स्वयं भी संतोषजनक उत्तर देगी । और पाठ का अध्ययन करवाएँगी । लेखक प्रेमचंद के बारे में विस्तार से बताएँगी । पाठ को रोचक बनाने के लिए अनेक रचनात्मक गतिविधि भी कराएंगी । अपने प्रिय या पालतू पशु-पक्षी पर अनुच्छेद लिखवाया गया |	-छात्राएँ पशु पक्षियों के प्रति संवेदनशील होगी । -छात्राओं की रचनात्मक प्रवृति का विकास होगा । -छात्राओं के वाचन एवं श्रवण कौशल का विकास होगा । -छात्राओं में अपनी स्वतन्त्रता सहेज कर रखने की क्षमता के विकास ।
2. ल्हासा की ओर	छात्राओं से पाठ का शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन करवाया जाएगा । साथ ही पाठ में आए कठिन शब्द मुहावरे, समासयुक्त पदावली का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा । तिब्बत की भौगोलिक दशा के बारे में विस्तार से बताया जाएगा । लेखक के अंतर्निहित भाव एवं विचारों का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा । सभी छात्राओं से उनके द्वारा की गई यात्रा का वर्णन निबंध के रूप में लिखवाया जाएगा |	-छात्राओं में पर्यटन के प्रति रुचि जागृत होगी । -छात्राओं में क्रमबद्ध रूप में विवरण देने की कला का विकास होगा । -छात्राओं में लेखन के प्रति रुचि जागृत होगी । -सृजनात्मक क्षमता का विकास ।
3. साँवले सपनों की याद	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उनसे सपनों के बारे में पूछेगी। तब उनसे उत्तर पाकर पाठ का शुद्ध रूप से वाचन करवाएंगी। जाबिर हुसैन की भाषा शैली अंतर्निहित भाव एवं विचारों का स्पष्टीकरण कराएंगी। चौधरी चरण सिंह गाँव की मिट्टी से जुड़े व्यक्ति थे, इस बारे में बताएगें। प्रत्येक छात्राओं से उनके भावी जीवन के लिए देखे गए सपनों के ऊपर वार्तालाप	-छात्राओं में पक्षियों के प्रति प्रेम जागृत होगा । -छात्राओं की चिंतन प्रवृति का विकास । -आत्मविश्वास में वृदधि । -गदयांश के प्रत्येक भावों का रसास्वादन और उनके अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास ।

	करवाएँगी।	
पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
4. कबीर की साखियाँ एवं सबद	कबीर की साखियों का आरोह - अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन करेंगे । तथा छात्राओं को गायन के लिए प्रेरित करना । साखियों का काठिन्य निवारण एवं भावार्थ का स्पष्टीकरण करेंगे। छात्राओं को सांप्रदायिक एकता के बारे में विस्तार से बताएँगे । और भगवान की सच्चे मन से भक्ति करने को कहेंगे । कबीर रहीम के दोहों का सुमधुर वाचन प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे ।	-छात्राओं में धर्म के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी । -संगीतात्मक अभिरुचि का विकास। -छात्राओं में काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न होगी । -आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति रुझान।
5. ललद्दद के वाख	ललद्दद के वाखो का आरोह अवरोह एवं लय के साथ आदर्श वाचन करेंगे । कविता में निहित भाव एवं शब्द सौन्दर्य का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करेंगे । भाव को जगाने एवं रुचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछेंगे । भगवान को पाने के लिए कौन - सा मार्ग अपनाया जाए । इस विषय पर विस्तार से बताएंगे । ललद्दद द्वारा दी गई सीख को छात्राओं द्वारा भावी जीवन में अपनाने को कहेंगे ।	-काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न होना छात्राओं में सद्कर्म करने की भावना का विकास -भगवान को प्राप्त करने के लिए दिखावे और आडंबरों पर कटाक्ष । -रस, छन्द, अलंकार आदि तत्वों के ज्ञान में वृद्धि ।
6. रसखान के सवैये	सवैयों को लयबद्ध ढंग से भावपूर्ण गायन किया जाएगा। कवि की भाषाशैली अंतर्निहित भाव एवं विचारों का स्पष्टीकरण किया जाएगा । श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण किया जाएगा । प्रश्न पूछे जाएंगे । छन्द के बारे में विस्तार से बताया जाएगा । श्री कृष्ण भगवान की माखन- चोरी लीला, रास-लीला के बारे में भी बताया जाएगा । सभी छात्राओं से श्रीकृष्ण से संबन्धित कोई एक भजन गाने को भी कहा जाएगा ।	-छात्राओं में श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम जागृत होगा । -नैतिक मूल्यों का विकास -पौरणिक ज्ञान में वृद्धि । -संगीत एवं कला के प्रति प्रेम उत्पन्न -काव्य के प्रति रुचि जागृत होगी ।

7. मेरे संग की औरतें	छात्राओं को मृदुला गर्ग के व्यक्तित्व से भली - भांति परिचित करवाया जाएगा । पाठ का वाचन छात्राओं के द्वारा किया जाएगा । पाठ में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण किया जाएगा । छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी लेखिका के द्वारा शिक्षा के लिए किए गए प्रयासों को विस्तार से बताया जाएगा । डराने धमकाने, दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है । इस विषय पर छात्राओं के साथ विचार - विमर्श किया जाएगा ।	-सदा सच बोलने की प्रवृति का विकास । -स्वतन्त्रता सेनानियों के प्रति आदर की भावना । -शिक्षा का सकारात्मक प्रभाव -कल्पनाशीलता का विकास ।
8. रीढ़ की हड्डी	छात्राओं से पूर्वज्ञान की परीक्षा लेने के लिए उनसे रीढ़ की हड्डी के बारे में पूछा जाएगा । उनसे उत्तर पाकर छात्राओं से पाठ का वाचन करवाया जाएगा । रीढ़ की हड्डी शरीर को सीधा रखती है जो चरित्रवान है उसकी रीढ़ की हड्डी ठीक है लेकिन जो चरित्रहीन उसकी हड्डी में दिक्कत है । यही बात छात्राओं को अनेक उदाहरण देकर बताई जाएगी । शिक्षा के बारे में भी छात्राओं को बताया जाएगा । क्या लड़कियों की उच्च शिक्षा विवाह में बाधक है ? इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा ।	-छात्राओं में सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी । -छात्राओं में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा जागृत होगी । -स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास । -निर्णयात्मक क्षमता का विकास ।

हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
- उपसर्ग-प्रत्यय -समास -अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद	सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। प्रत्येक विषय के लिए एक-एक गतिविधि करवाई। उपसर्ग को समझाने के लिए दस शब्दों की सूची बनवाई जिनमें उपसर्ग लग जाने से वे मूल शब्द के विलोम शब्द बन जाते हैं। दैनिक जीवन में हम जो कुछ भी बोलते हैं उनमे बहुत से शब्द समास से निर्मित होते हैं। छात्राओं से उन शब्दों का विग्रह करवा कर समास का नाम पूछा जाएगा। इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया गया।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -भाषा की शुद्धता के प्रति आदर एवं निष्ठा की भावना का विकास होना। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।

हिंदी व्याकरण (लेखन)	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
- पत्र - संवाद-लेखन - अनुच्छेद लेखन - लघु कथा लेखन	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। संवाद-लेखन के लिए कक्षा में विभिन्न विषयों पर चर्चा करवाई जाएँगी। प्रत्येक विषय पर छात्राओं को अपना स्वतंत्र मत व्यक्त करने की छूट दी जाएगी। मौखिक विचार विमर्श के बाद आगे उन्हें संकेत बिंदुओं को विस्तार देने के लिए लघु कथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करेगें।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।

अक्टूबर से मार्च

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
9. नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए भारतीयों के किए गए संघर्षों के बारे में पूछना । छात्राओं से जानने के बाद अपने उद्देश्य की घोषणा करना और पूरे पाठ का भावपूर्ण ढंग से वाचन / अध्ययन करवाएँगी । अंग्रेजों का भारतीयों के ऊपर किए गए अत्याचारों को विस्तार से बताया जाएगा। सभी छात्राओं से देशभक्तिपूर्ण कविताओं का वाचन करवाया जाएगा।	-देश भक्ति की भावना का विकास। -इतिहास के प्रति रुचि जागृत । -छात्राओं की स्मृति क्षमता का विकास । -काव्य के प्रति रुचि जागृत होगी ।
10. प्रेमचंद के फटे जूते	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए प्रेमचंद के बारे में पूछेगी। उनसे उत्तर पाकर स्वयं विस्तार पूर्वक महान कथाकार प्रेमचंद के बारे में बताएँगी । छात्राओं से पाठ का शुद्ध रूप से वाचन करवाएँगी । पाठ में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करवाएँगी । उसमें छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी । छात्राओं को अष्टछाप के कवियों के बारे में भी विस्तार से बताएंगी ।	-छात्राओं में ढोंग एवं आडंबरपूर्ण जीवन जीने की बजाय सरल सीधा जीवन जीने की क्षमता का विकास। -छात्राओं में समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं संकीर्णताओं के प्रति आक्रोश पैदा होगा । -छात्राओं की तार्किक क्षमता का विकास होगा ।

	इस पाठ पर छात्राओं से वाद -विवाद कराएंगी कि व्यक्ति की पोशाक महत्वपूर्ण होती है अथवा उसकी उपलब्धियां ।	-आत्मविश्वास में वृद्धि ।
11. मेरे बचपन के दिन	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए बचपन के बारे में पूछेगी तब उनसे उत्तर पाकर स्वयं पाठ के उद्देश्य की घोषणा करेगी । लेखिका की भाषा - शैली, अंतर्निहित भाव विचारों का स्पष्टीकरण करेंगी । महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व के बारे में विस्तार से बताएँगी । शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में पाठ के आनंद का कहीं लोप न हो जाए । इसका ध्यान अवश्य रखा जाएगा। सभी छात्राओं से लड़कियों के प्रति भेदभाव देश एवं समाज की उन्नति में बाधक हैं इस विषय पर वाद-विवाद कराया जाएगा ।	-छात्राएँ महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व से प्रभावित होगी । -छात्राओं में भेदभाव से ऊपर उठने की भावना का विकास । -तार्किक क्षमता का विकास । -वाचन कौशल का विकास ।
12. कैदी और कोकिला	छात्राओं से शुद्ध एवं स्पष्ट रूप से कविता का उच्चारण करवाया जाएगा। कविता में निहित भाव - सौंदर्य एवं शब्द सौंदर्य का विश्लेषण कराया जाएगा। ब्रिटिश सरकार द्वारा किए गए घोर अत्याचारों के बारे में छात्राओं को बताया जाएगा। साथ ही कवि माखनलाल - चतुर्वेदी की भाषा शैली उनके अंतर्निहित भावों का स्पष्टीकरण किया जाएगा। सभी छात्राओं से स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों के विषय में सूचना एकत्रित करने को कहा जाएगा।	-छात्राओं में सेनानियों के प्रति आदर व सम्मान की भावना का विकास -अंग्रेजों के प्रति आक्रोश तीव्र होना। -रस, छन्द, अलंकार आदि के ज्ञान में वृद्धि । -काव्य के विविध स्वरूप तथा उनकी विशिष्टताओं से परिचित होना ।
13. चंद्र गहना से लौटती बेर	कविता का शुद्ध एवं लय के साथ उच्चारण करना। कविता में निहित भाव एवं शब्द सौंदर्य का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण करना । प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करवाना । कवि की कल्पना शक्ति का अंत नहीं होता वह छोटी से छोटी चीज़ को भी पर्वत बना सकता है इस विषय में छात्राओं को विस्तार से बताया जाएगा । सभी छात्राओं से प्राकृतिक सौंदर्य से संबन्धित चित्रों को चार्ट पर चिपकवाया जाएगा ।	-छात्राएँ प्राकृतिक सौंदर्य के मनमोहक रूप से अवगत होगी । -छात्राए भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से परिचित होंगी । -कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास होना । - रस, छन्द, अलंकार के महत्व से परिचित होना ।

14. मेघ आए	मेघ आए कविता का आदर्श वाचन किया जाएगा । छात्राओं को भारतीय संस्कृति के बारे में विस्तार से बताया जाएगा कि भारत में अतिथि को देवता माना जाता था । छात्राओं को गाँव की मिट्टी से जोड़ने की कोशिश जाएगी । सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की भाषा शैली अंतर्निहित भाव एवं विचारों का भी स्पष्टीकरण किया जाएगा । सभी छात्राओं से वर्षा ऋतु के महत्व पर एक निबंध लिखवाया जाएगा ।	-छात्राओं में ग्रामीण जीवन की सादगी एवं सरलता अपनाने की भावना का विकास । -छात्राओं में प्राकृतिक सौंदर्य की मनमोहक छटा के प्रति रुझान -छात्राएँ भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से परिचित होगी । -अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा ।
15. यमराज की दिशा	छात्राओं को पूर्वज्ञान लेने के लिए उनसे यमराज के बारे में पूछा जाएगा । उनसे उत्तर पाकर हम स्वयं अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे । माँ अपने बच्चे का हर पल साथ देती चाहे कितनी भी परेशानियाँ आए । इस विषय में छात्राओं को विस्तार से बताएँगे । छात्राओं से भाव को जगाने एवं रुचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी छात्राओं पर ध्यान दिया जाएगा । समाज में फैली अनेक रूढ़ियाँ और अंधविश्वास के बारे में बताया जाएगा ।	-छात्राएँ समाज की अनेक रूढ़ियों और कुरीतियों से अवगत होंगी । -छात्राओं का माँ के प्रति समर्पण भाव विकसित होगा । -छात्राओं में अपने समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना उत्पन्न होगी । -काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न होगी ।
16. बच्चे काम पर जा रहे हैं।	कविता का स्पष्ट एवं भावपूर्ण ढंग से वाचन किया जाएगा । कविता के प्रत्येक पद्धयांश का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा । साथ ही काम पर जाने वाले बच्चों के ऊपर होने वाले अत्याचारों और उनकी दयनीय स्थिति के बारे में सभी छात्राओं को विस्तार में बताया जाएगा । छात्राओं को बताया जाएगा कि किस प्रकार उनका बचपन छीना जा रहा था । 'वर्त्तमान युग में सभी बच्चों के लिए खेल-कूद और शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हैं' इस विषय पर वाद-विवाद आयोजित करवाया जायेगा |	-छात्राओं में बाल मजदूरी के प्रति संवेदनशीलता की भावना जागृत होगी । -काव्य के विविध स्वरूप और उनकी विशिष्टताओं से अवगत -आत्म विश्वास में वृद्धि ।

17. माटीवाली	छात्राओं से पाठ का शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन करवाया जाएगा । पाठ में प्रयुक्त भाषिक तत्व - कठिन शब्द, मुहावरे आदि का स्पष्टीकरण किया जाएगा । गरीब आदमी के जीवन में सुख का नामों - निशान नहीं होता है उसे पेट की भूख मिटाने के लिए श्रमसाध्य करने को विवश होना पड़ता है । इन विषयों के बारे में छात्राओं को बताया जाएगा । इस पाठ को पूर्ण रूप से समझने के लिए एक समूह चर्चा का आयोजन किया जाएगा जिसका विषय होगा "पुनर्वास से जुड़ी समस्याएं" ।	-छात्राओं में गरीब लोगों के प्रति आदर एवं दया की भावना जागृत होगी । -छात्राएँ पुनर्वास से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशील होंगी । -छात्राओं में विचार - विश्लेषण की क्षमता का विकास होगा । -छात्राएँ मानव जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होंगी ।

हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
-अलंकार	इस विषय का स्पष्टीकरण करना। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। कक्षा में अनेक कविताओ का वाचन करते हुए छात्राओं से उनमे प्रयुक्त अलंकारों के नाम पूछे जाएंगें। इस प्रकार सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ते हुए शिक्षण कार्य संपादित कराया गया।	-व्याकरण-नियमों की जानकारी होना। -अलंकार पहचानने की क्षमता का विकास। -आत्मविश्वास में वृद्धि।
हिंदी व्याकरण (लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
- पत्र - संवाद-लेखन - अनुच्छेद लेखन - लघु कथा लेखन	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। संवाद-लेखन के लिए कक्षा में विभिन्न विषयों पर चर्चा करवाई जाएँगी। प्रत्येक विषय पर छात्राओं को अपना स्वतंत्र मत व्यक्त करने की छूट दी जाएगी। मौखिक विचार विमर्श के बाद आगे उन्हें संकेत बिंदुओं को विस्तार देने के लिए लघु कथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करेगें।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।